Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding setting up of cold storage facilities for agricultural produce in the rural areas of the country.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज): हमारे देश की आधे से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती है। इसलिए अन्नदाता किसानों का बहुत बड़ा महत्व है। आजादी के बाद से किसानों के महत्व को जिस तरीके से समझने की जरूरत थी नहीं समझा गया जिस कारण किसानों की स्थिति दिन-ब-दिन दयनीय होती चली गई। आज किसानों की देश में क्या स्थिति है हम सबके सामने है। ऐसे में हम सबों की जिम्मेदारी बनती है कि किसानों की स्थिति को सुधारने हेतु काम करें।

वैसे तो आज की केन्द्र की सरकार किसानों और कृषि के प्रति गंभीरतापूर्वक कार्य करती हुई दिख रही है। इसके लिए अनेकों योजनाओं का शुभारंभ भी केन्द्र सरकार द्वारा किया गया है। इन्हीं योजनाओं के तहत देश के किसानों की आय दो गुनी करने की भी योजना सरकार द्वारा शुरू की गई है। इसके लिए फसल का उत्पादन फसल का उत्पादन बढ़ाने, उत्पादित फसल का बाजार में सही कीमत मिलने का प्रबंध करना तथा इसी प्रकार के अन्य अनेकों योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने का गंभीर प्रयास सरकार के द्वारा किया जा रहा है लेकिन इतने ही भर से किसानों की आय में वृद्धि नहीं की जा सकेगी बल्कि इसके लिए कुछ और तरीके भी अपनाने होंगे। जिस संबंध में निम्नवत: मेरी एक मांग और सुझाव है।

किसानों की आय में वृद्धि नहीं होने के पीछे एक बहुत बड़ा करण फसल उत्पादन पश्चात उनके भंडारण हेतु स्टोरेज और कूलिंग चेन की कमी भी है। इसके अभाव में देश के अन्दर किसानों द्वारा लाखों टन उत्पादित अन्न/फल-सब्जी इत्यादि सड़-गल कर खराब हो जाते हैं जिससे प्रतिवर्ष किसानों को काफी हानि उठानी पड़ती है। इस स्थिति से निपटने के लिए मेरी सरकार से मांग है कि सरकार के सहयोग से स्टोरेज एवं कूलिंग चैन की लघु इकाई किसानों के घर/दलान या बथान पर ही लगाये जाने की योजना अगर शुरू की जाती है तो किसान स्वयं अपने उत्पादित माल को सुरक्षित भंडारित कर पाएंगे तथा बाजार से जब सही मूल्य मिलने होंगे तो उस समय अपना उत्पादन बेचकर लाभ प्राप्त कर सकेंगे। वैसे भी पुरातन परंपरानुसार किसान अपनी-अपनी उत्पादित क्षमता के अनुसार अपने-अपने घरों/बथानों/दलानों में जमीन के अंदर खाद, बेढ़ी इत्यादि बनाकर अपना भंडारण किया करते थे तथा उचित समय आने पर बाजार

में अपना माल बेचते थे। इसी के साथ आग्रह है कि उक्त योजना को शुरू किये जाने की कार्रवाई अगर सरकार करती है तो इसकी शुरूआत मेरे गृह प्रदेश बिहार से करने की कृपा की जाये।